(ङ) आदमी जब स्वस्थ रहता है, उसे इसकी चिंता नहीं रहती कि क्या खाता है, कितना खाता है, लेकिन जब कोई विकार उत्पन्न हो जाता है, उसे याद आती है कि कल मैंने पकोड़ियाँ खायी थीं। विजय बहिर्मुखी होती है, पराजय अन्तर्मुखी ।

(च) उन्होंने मेरे साथ बड़ा अन्याय किया है बहन, जो पुरुष अपनी स्त्री से कोई परदा रखता है, मैं समझती हूँ वह उससे प्रेम कहीं करता । मैं उनकी जगह पर होती हो तो तिलाजंलि देकर न भागती । अपने मन की सारी व्यथा कह सुनाती और कुछ करती, उनकी सलाह ले करती। और पुरुष में दुराव कैसा ?

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर दीजिए। प्रत्येक खंड से एक प्रश्न का उत्तर अनिवार्य है : **3×12=36**

(क) (i) 'प्रेमचंद के साहित्य में आदर्शोन्मुखी यथार्थवाद का स्वर सुनाई देता है ।' इस कथन की समीक्षा कीजिए ।

(ii) 'सेवासदन' के नामकरण की सार्थकता पर विचार कीजिए ।

Subject Code—52816

M. A. EXAMINATION

(Batch 2020 Onwards)

(First Semester)

HINDI

Paper H (MAHN-108)

Premchand

Time : 3 *Hours* *Maximum Marks :* 80

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **3×7=21**

(क) जालपा के लिए इन चीजों में लेशमात्र भी आकर्षण न था । हाँ, वह वर को एक आँख देखना चाहती थी वह भी सबसे छिपकर, पर उस भीड़-भाड़ में ऐसा अवसर कहाँ । द्वारचार

के समय उसकी सखियाँ उसे छत पर खींच ले गयीं और उसने रमानाथ को देखा । उसका सारा विराग सारी उदासीनता मानो छूमंतर हो गयी थी। मुँह पर हर्ष की लालिमा आ गयी । अनुराग स्फूर्ति का भण्डार है ।

(ख) गहनों का मरज न जाने इस दरिद्र देश में कैसे फैल गया । जिन लोगों को भोजन का ठिकाना नहीं, वे भी गहनों के पीछे आग देते हैं । हर साल अरबों रुपये केवल सोना-चांदी खरीद में व्यय हो जाते हैं । संसार के और किसी देश 'इन धातुओं की इतना खपत नहीं, तो बात क्या है ? उन्नत देशों में धन व्यापार में खर्च होता है जिससे लोगों की परवरिश होती है और धन बढ़ता रहता है । यहाँ धन शृंगार में खर्च होता हैं, उससे उन्नति और उपकार की जो शक्तियाँ है, उन दोनों का ही अंत हो जाता है। बस यही समझ लो कि जिस देश में लोग जितने ही मूर्ख होंगे वहाँ जेवरों का प्रचार उतना ही अधिक होगा ।

(ग) ''यह मेरे पूर्वजन्मों का फल है कि मुझे ऐसी सुन्दरी मिली । आखिर यही खाने, पहनने और जीवन का आनंद उठाने के दिन हैं । जब जवानी ही में सुख न उठाया, तो बुढ़ापे में क्या कर लेंगे, बुढ़ापे में मान लिया धन हुआ भी तो क्या ? जौवन बीत जाने पर विवाह किस काम का ? साड़ी और घड़ी लाने की उसे धुन सवार हो गई । रात भर तो उसने सब्र किया । दूसरे दिन दोनों चीजें लाकर ही दम लिया ।

(घ) ''यह समझ लीजिए कि जिस देश में स्त्रियों को जितनी अधिक स्वाधीनता है, वह देश उतना ही सभ्य है । स्त्रियों को पर्दे में या पुरुष से कोसों दूर रखने का यही तात्पर्य निकलता है कि आपके यहाँ जनता इतनी आचार-भ्रष्ट है कि स्त्रियों का अपमान करने में जरा भी संकोच नहीं करती है। युवकों के लिए राजनीति, धर्म, ललितकला, साहित्य दर्शन, इतिहास विज्ञान और हजारों ही ऐसे विषय हैं, जिनके आधार पर वे युवतियों से गहरी दोस्ती पैदा कर सकते हैं ।''

(iii) प्रेमचंद के 'सेवासदन' उपन्यास में किन-किन समस्याओं को उठाया गया है तथा उनके समाधान के कौन-कौनसे मार्ग दिखाये गये हैं ?

(ख) (i) 'कर्बला' नाटक के मूल उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।

(ii) 'कर्बला' नाटक आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना प्रेमचन्द्र के युग में था । इस कथन की समीक्षा कीजिए ।

(iii) 'गोदान' में प्रेमचंद द्वारा प्रस्तुत नारी भावना की विवेचना कीजिए ।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच के उत्तर **200-250** शब्दों में दीजिए : **5×3=15**

(i) 'गबन' उपन्यास के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ii) प्रेमचंद के जीवन परिचय पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए ।

(iii) 'कर्बला' नाटक के उद्देश्य पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए ।

(iv) 'सेवासदन' उपन्यास की मुख्य नारी पात्र सुमन का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(v) गजाधर का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(vi) 'सेवासदन' के नामकरण पर संक्षिप्त परिचय दीजिए ।

(vii) 'गंदन' उपन्यास की भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए ।

(viii) 'गबन' उपन्यास के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।

(ix) प्रेमचंद की नारी भावना पर प्रकाश डालिए ।

(x) 'सेवासदन' में प्रस्तुत वेश्या समस्या के समाधान पर प्रकाश डालिए ।

4. सभी वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **1×8=8**

(i) 'गबन' का प्रकाशन वर्ष क्या है ?

(ii) रामनाथ की पत्नी का क्या नाम था

(iii) 'सेवासदन' किस वर्ष प्रकाशित हुआ ?

(iv) 'सेवासदन' की नायिका कौन है ?

(v) 'कर्बला' नाटक कुल कितने अंकों में विभक्त है ?

(vi) 'कर्बला' किस प्रकार का नाटक है ?

(vii) देवीदीन किस उपन्यास का पात्र है ?

(viii) 'गबन' उपन्यास मध्य वर्ग की किस प्रवृत्ति को उद्घाटित करता है ?